Drug Today

1 - 31 May, 2018

88% people in Delhi-NCR have Vitamin D deficiency: ASSOCHAM

The bigger concern is that the population at large is not even aware of Vitamin D deficiency and its consequences.

Dr H K Chopra,
Co-Chairman, ASSOCHAM

BS RAWAT
@drugtodayonline.com

About 8 in 10 people in Delhi-NCR suffer from Vitamin D deficiency which causes chronic muscle pain, spasms, low energy levels, depression, etc, according to an ASSOCHAM Healthcare Committee report brought out on April 12, 2018.

A recent survey conducted in Delhi-NCR by the ASSOCHAM reveals that around 88% of the Delhi-NCR population has a Vitamin D level which is less than normal. However, the bigger concern is that the population at large is not even aware of Vitamin D deficiency and its consequences.

The survey was conducted among people between 21 and 65 years of age from October 2017 to March 2018. The age group of 21-35 years showed maximum insufficiency of Vitamin D. The apex industrial body is organizing a series of free medical camps in Delhi in association with with PSRI hospital, where comprehensive check-up and counseling is made available to participants.

Dr H K Chopra, Co-Chairman of ASSOCHAM Healthcare Council, said, "Vitamin D deficiency can lead to bone mineralization, leading to bone softening diseases such as rickets in children and osteomalacia and osteoporosis in adults. Vitamin D deficiency can be easily corrected by Vitamin D supplementation or some lifestyle changes."

He stated that insufficiency or non-exposure to sunlight and staying in air-conditioned rooms for long hours during the day could be the prime reason behind the deficiency.

Dr Chopra maintained that Vitamin D deficiency is defined as 25(OH) D < 20 ng/mL, insufficiency as 20–29 ng/mL and sufficiency as ≥30 ng/mL.

He claimed that low vitamin D levels are widely known to harm bones, leading them to become thin, brittle, soft or misshapen. But Vitamin D is equally important for heart, brain, immune function and much more.

Rashtriya Sahara 7 May, 2018

बेईमान कंपनियों की नहीं गल पा रही दाल

■ नई दिल्ली (वार्ता)।

कंपनियों की बेईमानी, कारपोरेट गवर्नेंस में उनकी चूक को जरा सी भी छूट नहीं देते हुए घरेलू शेयर बाजार के सतर्क निवेशक पूर्ण पारदर्शिता और नियमों की पूरी अनुपालना की उम्मीद करने लगे हैं।

उद्योग संगठन एसोचैम ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार में अब कंपनियों की कोई भी बेईमानी नजरअंदाज नहीं की जाती है। निवेशक में ऐसी कंपनियों के प्रति जीरो टॉलरेंस है। निवेशक अब उम्मीद करने लगे हैं कि कंपनियां कारपोरेट गवर्नेंस की अनुपालना करें और पारदर्शिता का रवैया न अपनाने पर उन्हें सजा भी दे रहे हैं।

संगठन ने निवेशकों की जागरूकता को देखते हुए प्रवर्तकों को सलाह दी है कि वे शेयरधारकों के मूल्यों और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध रहें। अब वे दिन गए जब कोई कंपनी नियम कायदे का उल्लंघन करने पर भी बच जाती थीं। निवेशकों के जागरूक होने और सख्त नियमों के कारण अब कोई भी कंपनी जाने या अनजाने कुछ भी गलत करने का जोखिम नहीं उठा सकती है।

Loksatya

7 May, 2018

घरेलू शेयर बाजार के सतर्क निवेशक पूर्ण पारदर्शिता की करने लगे उम्मीद

नहीं गल रही बेईमान कंपनियों की दाल: एसोचैम

फायदा

- **घरेलू शेयर बाजार में अब कंपनियों की कोई भी बेईमानी नजरअंदाज नहीं की जाती**
- **कंपनियों के प्रवर्तकों को दी सलाह शेयरधारकों के मूल्यों और सिद्धांतों के प्रति रहें प्रतिबद्ध**

नईदिल्ली, एजेंसी ।

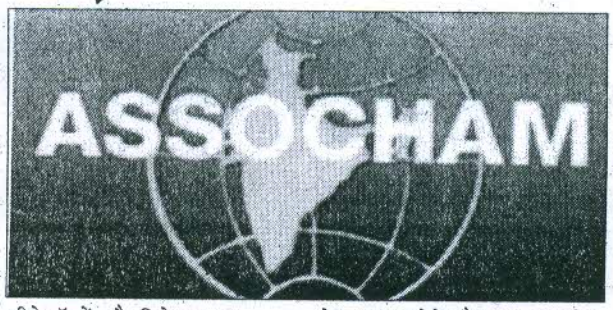

कंपनियों की बेईमानी, कॉरपोरेट गवर्नेंस में उनकी चूक को जरा सा भी छूट नहीं देते हुए घरेलू शेयर बाजार के सतर्क निवेशक पूर्ण पारदर्शिता और नियमों की पूरी अनुपालना की उम्मीद करने लगे हैं।

उद्योग संगठन एसोचैम ने आज कहा कि घरेलू शेयर बाजार में अब कंपनियों की कोई भी बेईमानी नजरअंदाज नहीं की जाती है। निवेशक में ऐसी कंपनियों के प्रति जीरो टॉलरेंस है। निवेशक अब उम्मीद करने लगे हैं कि कंपनियां कॉरपोरेट गवर्नेंस की अनुपालना करें और पारदर्शिता का रवैया न अपनाने पर उन्हें सजा भी दे रहे हैं। संगठन ने निवेशकों की जागरुकता को देखते हुए कंपनियों के प्रवर्तकों को सलाह दी है कि वे शेयरधारकों के मूल्यों और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध रहें।

संगठन का कहना है कि अब वे दिन गये जब कोई कंपनी या उसके प्रवर्तक नियम कायदे का उल्लंघन करने पर भी बच जाते थे। निवेशकों के जागरुक होने और सख्त नियमों के कारण अब कोई भी कंपनी जाने या अनजाने कुछ भी गलत करने का जोखिम नहीं उठा सकती है।इसका उदाहरण पिछले दिनों कई बार सामने आया है जबकि संदहों में घिरी कंपनियों के शेयरों की कीमत में तेज गिरावट आयी और उनका बाजार पूंजीकरण काफी घट गया।एसोचैम का कहना है कि शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की मजबूत स्थिति और घरेलू म्युचुअल फंड की अधिक संख्या के कारण भी ऐसी स्थिति पैदा हो गयी है जहां किसी भी गलती का खामियाजा अधिक भुगतना पड़ता है।

संगठन के महासचिव डी एस रावत के मुताबिक शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके यहां कॉरपोरेट गर्वनेंस अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है या नहीं। वास्तव में निवेशक प्रवर्तकों, निदेशक मंडल और मुख्य कार्यकारी अधिकारी की गुणवत्ता के लिए प्रीमियम भी देने को तैयार हैं। चूंकि कंपनियों के शेयर का अधिकांश हिस्सा प्रवर्तकों के पास होता है, इसी कारण यह उनके हित में है कि उनकी कंपनियां पारदर्शिता को अपनायें। उन्हें समूह के अंर के लेनदेन में पारदर्शी तरीका अपनाना होगा । सेबी ने भी यह सुनिश्चित किया है कि कंपनियां उन सभी तथ्यों का खुलासा करें, जिसका प्रभाव शेयरों की कीमत पर पड़ सकता है।

Deshbandhu 7 May, 2018

शेयर बाजार में नहीं गल रही बेईमान कंपनियों की दाल : एसोचैम

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। कंपनियों की बेईमानी, कॉरपोरेट गवर्नेंस में उनकी चूक को जरा सा भी छूट नहीं देते हुए घरेलू शेयर बाजार के सतर्क निवेशक पूर्ण पारदर्शिता और नियमों की पूरी अनुपालना की उम्मीद करने लगे हैं। उद्योग संगठन एसोचैम ने आज कहा कि घरेलू शेयर बाजार में अब कंपनियों की कोई भी बेईमानी नजरअंदाज नहीं की जाती है। निवेशक में ऐसी कंपनियों के प्रति जीरो टॉलरेंस है। निवेशक अब उम्मीद करने लगे हैं कि कंपनियां कॉरपोरेट गवर्नेंस की अनुपालना करें और पारदर्शिता का रवैया न अपनाने पर उन्हें सजा भी दे रहे हैं। संगठन ने निवेशकों की जागरुकता को देखते हुए कंपनियों के प्रवर्तकों को सलाह दी है कि वे शेयरधारकों के मूल्यों और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध रहें। संगठन का कहना है कि अब वे दिन गये जब कोई कंपनी या उसके प्रवर्तक

> बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके यहां कॉरपोरेट गवर्नेंस अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है या नहीं। वास्तव में निवेशक प्रवर्तकों, निदेशक मंडल व मुख्य कार्यकारी अधिकारी की गुणवत्ता के लिए प्रीमियम भी देने को तैयार हैं।
> -डी एस रावत, महासचिव

नियम कायदे का उल्लंघन करने पर भी बच जाते थे। निवेशकों के जागरुक होने और सख्त नियमों के कारण अब कोई भी कंपनी जाने या अनजाने कुछ भी गलत करने का जोखिम नहीं उठा सकती है। इसका उदाहरण पिछले दिनों कई बार सामने आया है जबकि संदहों में घिरी कंपनियों के शेयरों की कीमत में तेज गिरावट आयी और उनका बाजार पूंजीकरण काफी घट गया। एसोचैम का कहना है कि शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की मजबूत स्थिति और घरेलू म्युचुअल फंड की अधिक संख्या के कारण भी ऐसी स्थिति पैदा हो गयी है जहां किसी भी गलती का खामियाजा अधिक भुगतना पड़ता है। संगठन के महासचिव डी एस रावत के मुताबिक शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके यहां कॉरपोरेट गवर्नेंस अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है या नहीं। वास्तव में निवेशक प्रवर्तकों, निदेशक मंडल और मुख्य कार्यकारी अधिकारी की गुणवत्ता के लिए प्रीमियम भी देने को तैयार हैं। चूंकि कंपनियों के शेयर का अधिकांश हिस्सा प्रवर्तकों के पास होता है, इसी कारण यह उनके हित में है कि उनकी कंपनियां पारदर्शिता को अपनायें। उन्हें समूह के अंर के लेनदेन में पारदर्शी तरीका अपनाना होगा। अब विश्लेषकों की निगाहें भी पैनी हैं। इसके अलावा सेबी ने भी यह सुनिश्चित किया है कि कंपनियां उन सभी तथ्यों का खुलासा करें, जिसका प्रभाव शेयरों की कीमत पर पड़ सकता है।

ASSOCHAM IN THE NEWS

Naya India

7 May, 2018

शेयर बाजार

नहीं गल रही बेईमान कंपनियों की दाल: एसोचैम

नई दिल्ली ■ वार्ता

कंपनियों की बेईमानी, कॉरपोरेट गवर्नेंस में उनकी चूक को जरा सा भी छूट नहीं देते हुए घरेलू शेयर बाजार के सतर्क निवेशक पूर्ण पारदर्शिता और नियमों की पूरी अनुपालना की उम्मीद करने लगे हैं।

उद्योग संगठन एसोचैम ने आज कहा कि घरेलू शेयर बाजार में अब कंपनियों की कोई भी बेईमानी नजरअंदाज नहीं की जाती है। निवेशक में ऐसी कंपनियों के प्रति जीरो टॉलरेंस है। निवेशक अब उम्मीद करने लगे हैं कि कंपनियां कॉरपोरेट गवर्नेंस की अनुपालना करें और पारदर्शिता का रवैया न अपनाने पर उन्हें सजा भी दे रहे हैं। संगठन ने निवेशकों की जागरुकता को देखते हुए कंपनियों के प्रवर्तकों को सलाह दी है कि वे शेयरधारकों के मूल्यों और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध रहें।

संगठन का कहना है कि अब वे दिन गये जब कोई कंपनी या उसके प्रवर्तक नियम कायदे का उल्लंघन करने पर भी बच जाते थे। निवेशकों के जागरुक होने और सख्त नियमों के कारण अब कोई भी कंपनी जाने या अनजाने कुछ भी गलत करने का जोखिम नहीं उठा सकती है।

इसका उदाहरण पिछले दिनों कई बार सामने आया है जबकि संदहों में घिरी कंपनियों के शेयरों की कीमत में तेज गिरावट आयी और उनका बाजार पूंजीकरण काफी घट गया।

एसोचैम का कहना है कि शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की मजबूत स्थिति और घरेलू म्युचुअल फंड की अधिक संख्या के कारण भी ऐसी स्थिति पैदा हो गयी है जहां किसी भी गलती का खामियाजा अधिक भुगतना पड़ता है ।

संगठन के महासचिव डी एस रावत के मुताबिक शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके यहां कॉरपोरेट गर्वनेंस अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है या नहीं। वास्तव में निवेशक प्रवर्तकों, निदेशक मंडल और मुख्य कार्यकारी अधिकारी की गुणवत्ता के लिए प्रीमियम भी देने को तैयार हैं। चूंकि कंपनियों के शेयर का अधिकांश हिस्सा प्रवर्तकों के पास होता है, इसी कारण यह उनके हित में है कि उनकी कंपनियां पारदर्शिता को अपनायें। उन्हें समूह के अंर के लेनदेन में पारदर्शी तरीका अपनाना होगा ।